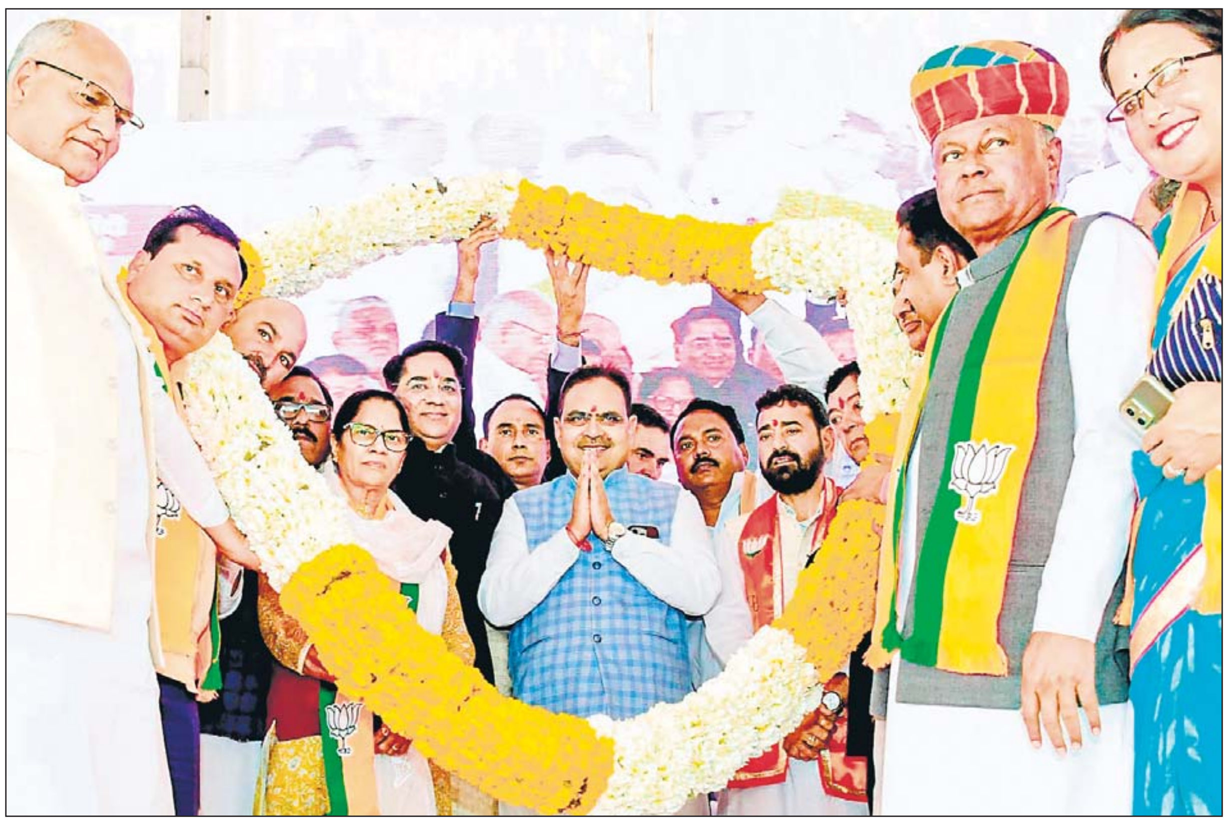

मु.मंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को शेखावाटी के दौरे पर रहे। उन्होंने यहाँ चार जगहों पर यमुना पानी समझौते को लेकर आयोजित धन्यवाद सभाओं को संबोधित किया। इस मौके पर उनके साथ यू.डी.एच. मंत्री झाबर सिंह खर्रा, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत भी मौजूद थे।

राहुल की न्याय यात्रा धौलपुर पहुंची, पायलट ने किया स्वागत

- राहुल की झलक पाने के लिए शहर में भारी भीड़ देखी गई, जिसमें आस-पास के ग्रामीण बड़ी संख्या में थे।
- धौलपुर से यात्रा मध्य प्रदेश, मुरैना में प्रवेश कर गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा ने मध्य प्रदेश पी.सी.सी. प्रमुख जीतू पटवारी को कांग्रेस ध्वज सौंपा।
- दोपहर बाद रोड शो हुआ, जिसमें पायलट शामिल नहीं हुए। अशोक गहलोत, प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा, प्रभारी रंधावा व क्षेत्रीय विधायक रोड शो में देखे गए।

धौलपुर, 2 मार्च (का.प्र.)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शनिवार दोपहर को 5 दिन के विश्राम के बाद शनिवार से फिर शुरू हो गई। धौलपुर में ही 25 फरवरी को यात्रा का विश्राम हुआ था। यात्रा की फिर से शुरुआत के लिए राहुल गांधी दिल्ली से दोपहर को हेलीकॉप्टर से धौलपुर पहुंचे। इसके बाद राजाखेड़ा बाईपास से खुली गाड़ी से रोड शो की शुरुआत हुई। करीब 3 किलोमीटर तक राहुल गांधी ने धौलपुर में रोड शो किया। इसके बाद यात्रा मध्य प्रदेश के मुरैना जिले की सीमा में प्रवेश कर गई। मध्य प्रदेश की सीमा पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को कांग्रेस का झंडा सौंपा। यहां राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ सहित मध्यप्रदेश के प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह भी मौजूद थे।

कांग्रेस के महासचिव सचिन पायलट भी राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने शनिवार को धौलपुर पहुंच गए थे,सर्किट हाउस में मौजूद थे। इसी के साथ सचिन पायलट ने राहुल गांधी का स्वागत किया, लेकिन दोपहर के बाद राहुल गांधी का रोड शो शुरू हुआ, तो सचिन पायलट उनके साथ दिखाई नहीं दिए। राहुल गांधी के साथ रोड शो के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, प्रभारी सुखविंदर सिंह रंधावा राहुल गांधी के साथ उनकी गाड़ी में मौजूद रहे। रोड शो में राजाखेड़ा विधायक रोहित बोहरा, धौलपुर विधायक शोभारानी कुशवाहा एवं बसेड़ी विधायक संजय जाटव मौजूद थे।

धौलपुर शहर के राजाखेड़ा बाईपास से सागर पाड़ा चेक पोस्ट तक राहुल गांधी का रोड शो हुआ। राहुल गांधी को देखने के लिए भारी तादाद में शहरवासी एवं आसपास के ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी। इस कारण आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम के हालात बन गए, हालांकि रोड शो का आयोजन सर्विस रोड पर किया गया था। राहुल गांधी की एक झलक पाने के लिए महिला, पुरुष एवं बच्चे छतों पर भी चढ़ गए। इसके अलावा हाईवे पर भी लोगों की भारी भीड़ देखी गई। करीब डेढ़ घंटे तक धौलपुर में रोड शो के बाद भारत जोड़ो न्याय यात्रा मध्य प्रदेश के लिए रवाना हो गई।

'शेखावाटी के तीनों जिलों को यमूना से पेयजल और सिंचाई का पानी मिलेगा'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने शेखावाटी में यमुना पानी समझौते पर आयोजित धन्यवाद सभाओं में कहा

- मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और कहा, अशोक गहलोत की खुद की गारंटी नहीं थी, पर वो चुनाव से पहले गारंटियां दे रहे थे। सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी जी ही हैं, जो गारंटी की गारंटी दे सकते हैं।

खेतड़ी/नवलगढ़, 2 मार्च (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को शेखावाटी क्षेत्र के दौरे पर रहे। उन्होंने खेतड़ी नगर, नवलगढ़ तथा अजीतगढ़ थाना क्षेत्र के गढ टकनेत ग्राम पंचायत के बामरला जोहडा में यमुना पानी समझौते को लेकर आयोजित धन्यवाद सभा को संबोधित किया। वहां पर लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया तथा जगह-जगह मालाएं पहनाकर आभार प्रकट किया।

ऐतिहासिक यमुना जल समझौते को लेकर झुंझुनूं के नवलगढ़ में आयोजित धन्यवाद सभा में भजनलाल शर्मा पूरे आक्रामक अंदाज में नजर आए। उन्होंने ना केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गारंटी पूरी करने वाला एकमात्र नेता बताया, बल्कि वाजपेयी के कार्यकाल में हुए कार्यों को भी गिनाते हुए राहुल गांधी से लेकर अशोक गहलोत तक पर निशाने साधे।

मुख्यमंत्री यमुना पानी को लेकर कहा कि शेखावाटी के तीनों जिलों को पानी मिलेगा। पीने का पानी और सिंचाई का पानी दोनों मिलेगा। राजस्थान अपने हिस्से का 1917 क्यूसेक पानी पूरा लेगा। इसमें कहीं कोई शंका नहीं है।

नवलगढ़ में यमुना जल धन्यवाद सभा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत, नवलगढ़ विधायक विक्रमसिंह जाखल, भाजपा जिला प्रभारी केडी बाबर, पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज, जिलाध्यक्ष पवन मावंडिया, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, नवलगढ़ के पूर्व चेयरमैन व सैनी समाज संस्था अध्यक्ष सुरेंद्र फूलवाला, जिला मंत्री महेंद्र चंदवा, उदयपुरवाटी प्रधान माया गुर्जर, बगड़ पालिका चेयरमैन गोविंदसिंह राठौड़ आदि मंचस्थ रहे।

इसी प्रकार खेतड़ी नगर के नेहरू मैदान में यमुना नहर समझौते लेकर आयोजित आभार में सभा में सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि खेतड़ी वो धरती है जिसने सनातन की धर्म ध्वजा आगे रखते हुए काम किया है। गीता प्रेस गोरखपुर को कौन नहीं जानता, इसके संपादक इसी माटी के लाल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अशोक गहलोत की खुद की गारंटी नहीं थी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ही गारंटी की गारंटी दे सकते हैं। विकास कार्यों की नींव भी हम ही रखते हैं और उद्घाटन भी हम ही करते हैं। इससे पहले हैलीकॉप्टर से सीएम अकेले ही कार्यक्रम के लिए पहुंचे। इस दौरान हैलीपेड पर भाजपा नेताओं ने उनकी अगुवानी की। मंच पर पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री को साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान विधायक इंजी धर्मपाल गुर्जर, झुंझुनूं सांसद नरेंद्र खीचड़, सुरजगढ़ के पूर्व विधायक सुभाष पूनिया, पूर्व विधायक हजारीलाल गुर्जर, पूर्व सांसद संतोष अहलावत, जिलाध्यक्ष पवन मांवडिया, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, दिनेश धाबाई, रतन सिंह तंवर, जिला महामंत्री पूनम धर्मपाल गुर्जर, मोहनलाल गुप्ता, राजेश दहिया मंच पर मौजूद रहे।

खेतड़ी के विकास को लेकर विधायक इंजीनियर धर्मपाल गुर्जर ने मुख्यमंत्री के सामने सभा के दौरान 8 मांगे रखी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जल्द उनकी जानकारी जुटा कर पूरा करवाने का आश्वासन दिया।

इसी प्रकार मुख्यमंत्री ने शनिवार को अजीतगढ़ थाना क्षेत्र के गढ टकनेत ग्राम पंचायत के बामरला जोहडा में ई.आर.सी.पी. योजना की सौगात को लेकर धन्यवाद सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा, राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने भी सभा को संबोधित किया।

सत्यपाल मलिक होंगे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व उससे भी आगे के क्षेत्र में मध्यम दर्जे के मतदाताओं व किसानों में इनका जबरदस्त प्रभाव है। इससे पूर्व मलिक वर्ष 1989-91 के बीच जनता दल के सांसद के रुप में संसद में अलीगढ़ का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं परंतु वे समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार के बतौर वर्ष 1996 में भाजपा की शीला गौतम से चुनाव हार गए थे। जयंत चौधरी पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के पोते हैं वे मोदी से इसलिए प्रभावित हुए हैं क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने चरण सिंह को भारत रत्न सम्मान से अलंकृत किया है जबकि मलिक ने दावा किया कि, उन्होंने चरण सिंह से प्रभावित होकर ही चुनावी मैदान में उतरने का फैसला किया है।

मलिक की उम्मीदवारी का सम्पूर्ण पश्चिमी उत्तर प्रदेश की दर्जन भर से भी अधिक लोकसभा सीटों पर चुनावी प्रभाव पड़ेगा। इस क्षेत्र में जाटों की आबादी का बहुत बड़ा हिस्सा निवास करता है और वे इस क्षेत्र में काफी मुखर तथा सामाजिक रुप से प्रभावकारी अहमियत रखते हैं। अन्य जातिगत समुदाय जैसे जाटव या अनुसूचित जातियां एवं मुस्लिम भी इन निर्वाचन क्षेत्रों में मायने रखते है जो बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती के अनुयायी समर्थक है।

सपा के आंतरिक सूत्रों ने कहा कि, मलिक कभी भी पार्टी के प्रस्ताव से विमुख नहीं हुए या उन्होंने सीधे तौर पर इनकार नहीं किया। अभी तक अलीगढ़ की लोकसभा सीट पर पार्टी ने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है जबकि उत्तर प्रदेश की 27 सीटों पर पार्टी पहले ही उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है और इंडिया ब्लॉक गठबंधन के तहत उत्तर प्रदेश में 17 सीटें कांग्रेस को लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए दी है।

चुनावों में रेल्वे के कायापलट पर फोकस करेगी भाजपा

- इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले सप्ताह 2843 किलोमीटर लम्बा रेल्वे फ्रैट कॉरिडोर राष्ट्र को समर्पित करेंगे, जिस पर 1.24 लाख करोड़ रू. की लागत आई है।
- ज्ञातव्य है कि, वर्ष 2019 में चुनाव अभियान में भाजपा ने सड़क निर्माण में हुए विकास पर फोकस किया था।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 मार्च। भारत के पूर्वी और पश्चिमी छोर पर एक लाख चौबीस हजार करोड़ रुपये की लागत से, माल ढुलाई के लिए समर्पित 2843 किलोमीटर लंबा रेल कॉरिडोर पूरा होने की कगार पर है। अगले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसे देश को समर्पित करेंगे।

वर्ष 2019 में सड़क निर्माण, यदि भाजपा के विकास अभियान का केन्द्र बिन्दु था तो इस वर्ष के चुनावों में, स्पष्ट रुप से यह रेलवे के कायापलट पर केन्द्रित होता दिख रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विभिन्न राज्यों के अपने दौरों में नई रेल योजनाओं की घोषणा कर रहे हैं। उनका मुख्य फोकस प्रीमियर वन्दे भारत ट्रेनों पर है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि, अगले कुछ वर्षों में, 1000 अमृत ट्रेनों, जो कि वन्दे भारत ट्रेनों से कम लागत की हैं, की शुरुआत की जाएगी। देश में आधारभूत संरचना की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक, माल ढुलाई के लिए समर्पित कॉरिडोरों की लागत और पूर्ण होने का समय, पिछले कई वर्षों से लगातार बढ़ता जा रहा था, हालांकि जब से भाजपा सरकार सत्ता में आई है, परियोजना ने गति पकड़ ली है, और 1337 किलोमीटर लंबा ईस्टर्न फ्रेट कॉरिडोर (ई.डी.एफ.सी.) पूरा हो चुका है। वेस्टर्न फ्रेट कॉरिडोर, जिसके लिए जे.आई.सी.ए. द्वारा फंड दिया गया है, का लगभग 86 प्रतिशत (1506 किलोमीटर) निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है तथा बचा हुआ काम भी 2025 तक पूरा हो जाएगा।

भाजपा ने पहली लिस्ट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कैलाश चौधरी, जालौर से लूम्बाराम चौधरी, उदयपुर से मन्नालाल रावत, बांसवाड़ा-डूंगरपुर से महेन्द्रजीत मालवीय, चित्तौड़गढ़ से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी, कोटा से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, झालवाड़ा-बारां से दुष्यन्त सिंह को टिकट दिया गया है। सात सीटों पर प्रत्याशी बदले गए है इनमें भरतपुर से रंजीता कोली की जगह रामस्वरूप कोली को, जालौर से देवजी पटेल की जगह लुम्बाराम को, बांसवाड़ा-डूंगरपुर से कनक मल कटारा की जगह कांग्रेस से आए महेंद्रजीत सिंह मालवीय को, अलवर से बालक नाथ की जगह भूपेंद्र यादव को, उदयपुर से अर्जुन लाल मीणा की जगह मन्नालाल रावत को, नागौर से राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आर.एल.पी.) के प्रमुख के हनुमान बेनीवाल की जगह ज्योति मिर्धा, चूरू से राहुल कस्वा की जगह देवेंद्र झाझड़िया को टिकट दिया गया है।

'अंबानी के लिए देश की प्रतिष्ठा और सार्वजनिक नियमों को ताक पर रख दिया सरकार ने'

- कांग्रेस ने कहा है कि, अंबानी परिवार के मेहमानों के विमान एयरपोर्ट पर उतर सकें इसके लिए जामनगर हवाई अड्डे को 10 दिन के लिए इंटरनैशनल एयरपोर्ट का दर्जा दिया गया है
- कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि, पूंजीपति मित्रों को मदद करने की बात आती है तो मोदी कुछ भी करने को तैयार हो जाते हैं।
- मुकेश अंबानी के बेटे के विवाह के लिए जामनगर हवाई अड्डे को 10 दिन के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा घोषित कर दिया है। शादी में आने वाले मेहमानों को असुविधा न हो इसके लिए आम जनता के पैसे से यात्री टर्मिनल के आकार को दोगुना करने को कहा गया।

नई दिल्ली, 2 फरवरी (वार्ता)। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार कायदे कानून ताक पर रखकर पूंजीपतियों को सुविधा उपलब्ध कराती है और इसका ताजा उदाहरण उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे का विवाह अवसर है जब सरकार ने जामनगर हवाई अड्डे को अंतरराष्ट्रीय स्तर प्रदान कर दिया।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जय राम रमेश ने यहां जारी बयान में आज कहा कि पूंजीपति मित्रों को मदद करने की बात आती है तो मोदी कुछ भी करने को तैयार हो जाते हैं। अरबपति मुकेश अंबानी के बेटे के विवाह के लिए जामनगर हवाई अड्डे को 10 दिन के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा घोषित कर दिया है। शादी में आने वाले मेहमानों को असुविधा न हो इसके लिए करदाताओं के पैसे से यात्री टर्मिनल के आकार को दोगुना करने को कहा गया। जामनगर हवाई अड्डा पाकिस्तान की सीमा के नज़दीक है और देश की सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील है। इसके बावजूद विवाह समारोह में आने वाले मेहमानों के प्राईवेट जेट्स के लिए वायु सेना के इस संवेदनशील तकनीकी क्षेत्र को इस्तेमाल करने की इजाज़त दी गई है। उन्होंने कहा, "मोदी ने पूरा राजनीति करियर अपने अरबपति मित्रों की मदद करने में बिताया है। हाल का उदाहरण है जब उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि निजी हाथों को जाने वाले सभी छह एयरपोर्ट अडानी के पास जाएं। दो कंपनियों को भारत के 90 प्रतिशत एयरलाइन मार्केट पर कब्ज़ा करने की इजाज़त दी गई। और कॉर्पोरेट्स के 14.5 लाख करोड़ रुपए के लोन माफ़ माफ कर दिए गए।"

प्र.मंत्री मोदी ने टी.एम.सी....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल में बंद हैं। ये लोग अब सार्वजनिक धन के दुरुपयोग के सुपरिचित "लोगो" हैं। प्रधानमंत्री ने चुनावी माहौल की शुरुआत कर दी है, लेकिन राज्य भाजपा को इस माहौल को बनाए रखने और उनसे कोई उपलब्धि हासिल करने में कठिनाई आएगी। सत्तारूढ़ तृणमूल पर लगे दुराचार के आरोपों को देखते हुए यह कोई दुष्कर कार्य नहीं होगा।

यह संयोग ही है कि आगामी लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा उम्मीदवारों की पहली लिस्ट की घोषणा ने तृणमूल, माकपा तथा राज्य की कांग्रेस इकाई को विस्मित कर दिया है क्योंकि, भाजपा की पहली सूची में पश्चिम बंगाल के 20 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र भी शामिल हैं।

लोकसभा चुनावों की अधिसूचना जारी होने से पूर्व ही प्रत्याशियों की घोषणा करने से भाजपा चुनावी तैयारियों में सबसे आगे रहेगी। उसे ज़मीनी आधार तैयार करने और चुनावी तैयारियां करने के लिए अन्य पार्टियों की बनिस्पत अधिक समय मिलेगा। बंगाल की पार्टियां अपने प्रत्याशियों के चयन को लेकर फिलहाल बिल्कुल स्पष्ट नहीं है क्योंकि इन पार्टियों में अंदरूनी कलह परवान पर है।

राज्य की असंतुष्ट पार्टियां अब एक स्वर में कह रही हैं कि चुनावों की तिथि की घोषणा होने से पूर्व ही प्रत्याशियों की घोषणा की जा रही है।

केन्द्र में सत्तारूढ़ भापा बंगाल के दुष्कर कार्य से भी वाकिफ़ है। बंगाल में जब से वामदल सत्ता पर काबिज हुए, उसके बाद कई दशकों से कोई स्तवंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव नहीं हुए हैं। बूथ कैरचरिंग और डराने-धमकाने का एक चलन बन गया है, जिससे जनता अपने स्वतंत्र विकल्प को शायद ही चुन पाती है। इस बीच, केन्द्र सरकार ने स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने को लेकर बंगाल में सेना भेज दी है। केन्द्रीय सुरक्षा बलों ने अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने को लेकर वहां फ्लैग मार्च भी शुरु कर दिया है। केन्द्रीय चुनाव आयोग की एक टीम राज्य के मुख्य चुनाव आयुक्त से प्रथम दौर की बातचीत करने के लिए पहले ही बंगाल पहुंच चुकी है। कल होने वाली इस मीटिंग में राज्य के प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी भी शामिल होंगे।

चीन के जहाज को मुंबई में भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने रोका

इस जहाज में न्यूक्लियर वैपन लादकर पाकिस्तान भेजे जा रहे थे?

- डी.आर.डी.ओ. की एक टीम ने भी जहाज में लदी खेप का निरीक्षण किया। जांच में सामने आया कि, जहाज में लदी वस्तुओं का इस्तेमाल पड़ोसी देश अपने परमाणु कार्यक्रम के लिए कर सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह इक्विपमैंट पाकिस्तान के मिसाइल विकास कार्यक्रम में महत्वपूर्ण हो सकता है।
- इस जहाज में मुख्यतः सी.एन.सी. (कम्प्यूटर न्यमैरिकल कंट्रोल) सिस्टम की मशीनें रखी पाई गई हैं। इन मशीनों का इस्तेमाल उत्तरी कोरिया में न्यूक्लियर प्रोग्राम्स के लिए किया गया था।

नई दिल्ली, 2 मार्च। चीन से पाकिस्तान जा रहे एक जहाज को मुंबई में रोक लिया गया है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि इस जहाज में कुछ ऐसा है, जिसका इस्तेमाल पाकिस्तान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए किया जा सकता था। कस्टम अधिकारियों ने खुफिया जानकारी के आधार पर माल्टा के झंडे वाले व्यापारिक जहाज सीएमए सी.जी.एम. अत्तिला को 23 जनवरी को बंदरगाह पर रोका। जांच के दौरान इसमें कंप्यूटर न्यूमेरिकल कंट्रोल (सीएनसी) मशीन भी मिली, जिसे एक इटैलियन कंपनी ने बनाया था।

सी.एन.सी. मशीनों को कंप्यूटर से कंट्रोल किया जाता है, ऐसा मैनुअली करना पॉसिबल नहीं है। डीआरडीओ की एक टीम ने भी जहाज में लदी खेप का निरीक्षण किया। जांच में सामने आया कि जहाज में लदी चीजों का इस्तेमाल पड़ोसी देश अपने परमाणु कार्यक्रम के लिए कर सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह इक्विपमेंट पाकिस्तान के मिसाइल विकास कार्यक्रम में महत्वपूर्ण हो सकता है। यह एक इंटरनेशनल आर्म्स कंट्रोल है, जिसका उद्देश्य नागरिक और सैन्य उपयोग दोनों के साथ उपकरणों के प्रसार को रोकना है। सीएनसी मशीनों का इस्तेमाल उत्तरी कोरिया में न्यूक्लियर प्रोग्राम्स के लिए किया गया था। मुंबई पोर्ट के अधिकारियों ने भारतीय सुरक्षा अधिकारियों को इस बारे में अलर्ट किया था। इसके बाद निरीक्षण किया गया और कंसाइनमेंट को सीज कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों की जांच में संकेत मिले हैं कि 22,180 किलोग्राम वजन की खेप ताइयुआन माइनिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड द्वारा भेजी गई थी। इसे कॉसमॉस इंजीनियरिंग के लिए पाकिस्तान ले जाया गया था। यह पहली बार नहीं है ब भारतीय बंदरगाह अधिकारियों ने चीन से पाकिस्तान भेजे जाने वाले इस तरह के दोहरे उपयोग वाले सैन्य-ग्रेड आइटम जब्त किए हैं।

छः बार मुख्यमंत्री रहे वीरभद्र सिंह के बेटे विक्रमादित्य...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके साथ ही मुख्यमंत्री सुक्खु के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने विक्रमादित्य को हटाकर उनकी जगह रामपुर के विधायक नंदलाल को हिमाचल प्रदेश फायनैंस कमीशन का चेयरमैन नियुक्त किया है।

सुक्खु के इस कदम को इस रूप में देखा जा रहा है कि विक्रमादित्य पार्टी का विश्वास खो चुके हैं। कांग्रेस ने बुधवार को वोटिंग करने वाले विधायकों की चुनौती का सामना किया, जब विक्रमादित्य ने अपने इस्तीफे की घोषणा की थी। उन्होंने मुख्यमंत्री विधायकों की उपेक्षा का आरोप लगाया। उन्होंने कांग्रेस पर भारी मन से यह आरोप भी लगाया कि उसने उनके पिता की मूर्ति लगवाने के लिए ज़मीन का आवंटन भी नहीं किया।

कांग्रेस ने उसी दिन अपनी सरकार को बचाने के लिए अंतिम पैंतरा अपनाते हुए भाजपा के 15 विधायकों को निष्कासित कर सदन में भाजपा विधायकों की संख्या को इतना कम कर दिया कि सदन में राज्य का बजट पारित किया जा सके। इसके तुरन्त बाद ही विक्रमादित्य सिंह ने अपना इस्तीफा वापस ले लिया।

इस संकट ने विस्फोटक रूप तब लिया जब इस हफ्ते हुए राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के छह बागी विधायकों और तीन निर्दलीयों ने भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में वोट दिया। मुख्यमंत्री सुखविन्दर सिंह सुक्खु ने कहा कि "राजनीतिक जीवन में चुनाव लड़ने का मौका देने वाली पार्टी को ही धोखा देने वाले को "काला सांप" कहा जाता है।

इस बीच, सदन की सदस्यता से अयोग्य ठहराए गए कांग्रेस के छह विधायकों में से एक राजिन्दर राणा ने शनिवार को कहा कि अन्य कई विधायकों ने उनसे सम्पर्क किया है और कांग्रेस की राज्य सरकार जल्दी ही गिर जाएगी। उन्होंने सुखविन्दर सिंह सुक्खु के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार के प्रति पूरी नाखुशी जतायी।

राणा ने कहा कि "एक साल से अधिक का समय हो गया है, हम हाईकमान को लगातार यह चिन्ता जाहिर करते रहे हैं कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के हालात ठीक नहीं है। हिमाचल में कांग्रेस की सरकार नहीं बल्कि सुखविन्दर सुक्खु के मित्रों की सरकार है और राज्य की स्थिति से हर कोई वाकिफ़ है।" उन्होंने आगे कहा कि "परीक्षाओं के बाद युवा सड़कों पर है। वे परीक्षा परिणामों की अब भी प्रतीक्षा कर रहे हैं। जनता को दी गई गारंटी पूरी नहीं की जा रही है तथा कुछ चुनिंदा विधायकों के साथ अपमानजनक व्यवहार किया जा रहा है।"

सुक्खु के प्रति असंतोष व्यक्त करते हुए राणा ने कहा कि नौ विधायक सरकार से पूरी तरह उकता चुके हैं। उन्होंने कहा कि "हम हाईकमान को चेतावनी दे चुके हैं कि यदि हिमाचल प्रदेश को बचाना है तो इस मुख्यमंत्री को हराना जरूरी है। जैसे देश में कांग्रेस ताश के पत्तों की जैसे ढह गई है, वैसा ही हिमाचल प्रदेश में भी हुआ। हिमाचल प्रदेश का वर्तमान मुख्यमंत्री सबसे बड़ा झूठा है। वह हिमाचल की प्रगति को रिवर्स गीयर में ले आया है।"

राणा ने मुख्यमंत्री के इस दावे को खारिज़ किया कि अयोग्य विधायकगण उनके पास पहुंचे है, राणा ने स्पष्ट करते हुए विशेष रूप से कहा कि "इस तरह के सभी समाचार झूठे है।" "हम सब यहां पर बैठे हुए हैं और हमने उनसे कोई सम्पर्क नहीं किया है।"

एक आश्चर्यजनक रहस्योद्घाटन में, राणा ने पार्टी के अन्दर होने वाले संभावित दलबदल का संकेत भी दिया और उन्होंने इस खबर को लेकर दावा किया कि कई अन्य विधायकगण उनके सम्पर्क में हैं और प्रदेश सरकार गिरने के कगार पर है। राणा ने यह भी दावा किया कि "कई अन्य विधायक भी हमारे (बागी विधायकों) के साथ जुड़ना चाहते है और वो हमारे सम्पर्क मे है। हिमाचल की प्रदेश सरकार शीघ्र ही गिरेगी।"

इससे पूर्व हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने गुरुवार (29 फरवरी) को कांग्रेस के छह विधायकों को इसलिए अयोग्य घोषित कर दिया क्योंकि पार्टी व्हिप के खिलाफ राज्यसभा चुनावों में वोट दिया था। ये छह विधायकगण सुधीर शर्मा, राजिन्दर राणा, दविन्दर के. भुट्टो, रवि ठाकुर, चैतन्य शर्मा व इंदर दत्त लखनपाल हैं।

राणा ने उनकी अयोग्यता को लेकर कहा कि, "हम इस मामले को लेकर शीघ्र कोर्ट की शरण में जाएंगे।" उन्होंने यह भी कहा कि "इस मामले में कानून का पालन नहीं किया गया था। पुलिस ने उन विधायकों के खिलाफ चालान काटना शुरु कर दिया है। जिन्होंने राज्यसभा चुनावों में क्रास-वोटिंग करने वालों का समर्थन किया था। हम इस प्रदेश के स्वाभिमान की रक्षा करेंगे।"

गूगल के सी.ई.ओ. सुंदर पिचाई की कुर्सी खतरे में

- ए.आई. प्रोग्राम को डवलप करने के अपने लक्ष्य से पिछड़ने के कारण मार्केट में गूगल की प्रतिष्ठा को हुये नुकसान की भरपाई के लिए कंपनी ऐसा कदम उठाने पर विचार कर रही है

नई दिल्ली, 2 मार्च। दिग्गज टेक कंपनी गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट के भारतीय मूल के सी.ई.ओ. सुंदर पिचाई को हटाने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। नवंबर 2022 में जब "ओपन ए.आई." ने "चैट जी.पी.टी" रिलीज किया था तो गूगल पर दबाव बढ़ गया था। गूगल ने इसके जवाब में "जैमिनी" ने चैटबॉट जेमिनी लॉन्च किया। लेकिन इसे अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है और यह एक तरह से हास्य का पात्र बनकर रह गया है। यही वजह है कि पिचाई पर दबाव बढ़ गया है। माना जा रहा है कि वह अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं या फिर कंपनी उन्हें निकाल सकती है। पिचाई 2022 में अमेरिका में सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले सी.ई.ओ. थे। उन्हें 22.6 करोड़ डॉलर की सैलरी मिली। अगर भारतीय रुपयों में देखें तो यह करीब 18,84,39,13,900 रुपये बैठती है। यानी पिचाई की रोजाना की कमाई पांच करोड़ रुपये से अधिक रही।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908